

## डिजिटल युग में बेटियों के लिए शिक्षा के नए अवसर

डॉ. स्वाति टाक

समाजशास्त्र विभाग

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय,

जोधपुर, राजस्थान (भारत)

ईमेल - swati.tak321@gmail.com

### सारांश:

वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है, जिसमें सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। डिजिटल तकनीकों के विकास ने शिक्षण एवं अधिगम की प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ और प्रभावी बनाया है। विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों ने नई संभावनाओं का द्वार खोला है। ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल कक्षाएँ, डिजिटल पुस्तकालय तथा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से बालिकाएँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। डिजिटल शिक्षा ने न केवल शैक्षिक अवसरों का विस्तार किया है, बल्कि कौशल विकास, रोजगार, आत्मनिर्भरता तथा महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया है। यद्यपि इंटरनेट की सीमित उपलब्धता, आर्थिक असमानता तथा डिजिटल साक्षरता की कमी जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं, फिर भी डिजिटल युग बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है।

**कुंजी शब्द :** डिजिटल शिक्षा, बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भरता।

### प्रस्तावना

21वीं सदी को तकनीकी और डिजिटल क्रांति का युग कहा जाता है। इंटरनेट, स्मार्टफोन, कंप्यूटर और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ज्ञान के आदान-प्रदान की प्रक्रिया को नई दिशा प्रदान की है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों का समावेश एक क्रांतिकारी परिवर्तन के रूप में सामने आया है। आज शिक्षा केवल विद्यालयों और महाविद्यालयों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि डिजिटल माध्यमों के द्वारा घर बैठे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना संभव हो गया है। भारतीय समाज में लंबे समय तक बालिकाओं की शिक्षा अनेक सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक बाधाओं से प्रभावित रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की दूरी, संसाधनों की कमी तथा पारंपरिक सोच के कारण अनेक बालिकाएँ शिक्षा से वंचित रह जाती थीं। किंतु डिजिटल युग ने इन बाधाओं को काफी हद तक कम किया है। आज डिजिटल तकनीक बालिकाओं को ज्ञान, कौशल और आत्मनिर्भरता के नए अवसर प्रदान कर रही है।

### डिजिटल युग में बेटियों के लिए शिक्षा के नए अवसर

#### 1. ऑनलाइन शिक्षा की बढ़ती उपलब्धता

डिजिटल युग में ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। आज विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से बालिकाएँ घर बैठे उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। डिजिटल कक्षाएँ, वीडियो व्याख्यान, ई-बुक्स तथा ऑनलाइन अध्ययन सामग्री ने सीखने की प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाया है।

विशेष रूप से दूरदराज़ और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली बालिकाओं के लिए यह एक वरदान सिद्ध हुआ है। अब उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए बड़े शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

## 2. शिक्षा में समान अवसरों का विस्तार

डिजिटल तकनीक ने शिक्षा में समानता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पहले ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के बीच संसाधनों की उपलब्धता में बड़ा अंतर था। लेकिन इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने इस दूरी को कम कर दिया है।

आज गाँव की एक बालिका भी वही अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकती है जो किसी महानगर की छात्रा को उपलब्ध है। इससे शिक्षा में समान अवसरों की अवधारणा को बल मिला है और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा मिला है।

## 3. कौशल विकास और रोजगार के अवसर

डिजिटल माध्यमों ने बालिकाओं के लिए केवल औपचारिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि कौशल विकास के नए रास्ते भी खोले हैं। वे ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों में भाग लेकर नए कौशल अर्जित कर रही हैं।

### प्रमुख क्षेत्र—

**तालिका-2 : डिजिटल शिक्षा के माध्यम से बेटियों को मिलने वाले अवसर**

| डिजिटल माध्यम            | अवसर                                |
|--------------------------|-------------------------------------|
| ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म | घर बैठे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा        |
| AI आधारित लर्निंग टूल्स  | व्यक्तिगत सीखने की सुविधा           |
| डिजिटल लाइब्रेरी         | अध्ययन सामग्री की आसान उपलब्धता     |
| ऑनलाइन कौशल पाठ्यक्रम    | रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर        |
| वर्चुअल लैब              | विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा में सुधार |
| डिजिटल प्रमाणपत्र        | करियर विकास के नए विकल्प            |

- कंप्यूटर शिक्षा
- कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग डिजिटल मार्केटिंग
- ग्राफिक डिजाइनिंग
- वेब डेवलपमेंट
- ऑनलाइन उद्यमिता
- भाषा एवं संचार कौशल

इन कौशलों के माध्यम से बालिकाएँ रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

#### 4. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

डिजिटल प्लेटफॉर्म ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को सरल और सुलभ बना दिया है। आज बालिकाएँ ऑनलाइन कोचिंग, टेस्ट सीरीज़, वीडियो लेक्चर और अध्ययन सामग्री की सहायता से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं।

जैसे—

UPSC

SSC

REET

NEET, JEE

बैंकिंग परीक्षाएँ

इससे समय और धन दोनों की बचत होती है तथा गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन आसानी से उपलब्ध हो जाता है।

#### 5. जागरूकता और आत्मविश्वास में वृद्धि

डिजिटल शिक्षा ने बालिकाओं में सामाजिक, शैक्षिक और कानूनी जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे इंटरनेट और सोशल मीडिया के माध्यम से अपने अधिकारों, सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं तथा करियर विकल्पों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रही हैं।

इससे उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता का विकास हो रहा है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

#### 6. महिला सशक्तिकरण में डिजिटल शिक्षा की भूमिका

शिक्षा किसी भी समाज में परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। जब डिजिटल तकनीक शिक्षा से जुड़ती है, तो उसका प्रभाव और अधिक व्यापक हो जाता है। डिजिटल शिक्षा बालिकाओं को ज्ञान, कौशल और आत्मनिर्भरता प्रदान कर उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है।

एक शिक्षित और डिजिटल रूप से साक्षर बालिका न केवल स्वयं का विकास करती है, बल्कि अपने परिवार, समुदाय और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

**तालिका-1 : डिजिटल एवं तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी (2025)**

| क्षेत्र                                                | 2022 | 2024 | 2025 |
|--------------------------------------------------------|------|------|------|
| तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी                  | 4%   | —    | 17%  |
| AI एवं Machine Learning पाठ्यक्रमों में महिला भागीदारी | —    | 5%   | 20%  |
| MCA Cyber Security में महिला भागीदारी                  | —    | —    | 25%  |
| Generative AI में महिला शोधार्थी                       | —    | —    | 15%  |

**विश्लेषण:**

2025 में डिजिटल तकनीक आधारित शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। विशेष रूप से AI, Machine Learning, Cyber Security और Data Science जैसे क्षेत्रों में बेटियों के लिए नए करियर अवसर विकसित हुए हैं।

## सरकारी योजनाएँ और डिजिटल पहल

बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार द्वारा अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं—

डिजिटल इंडिया अभियान

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

ई-पाठशाला

स्वयं (SWAYAM) पोर्टल

राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय

प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA)

दीक्षा (DIKSHA) पोर्टल

इन योजनाओं का उद्देश्य बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल संसाधन तथा तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

## डिजिटल शिक्षा की चुनौतियाँ

यद्यपि डिजिटल शिक्षा ने अनेक अवसर प्रदान किए हैं, फिर भी कुछ चुनौतियाँ आज भी विद्यमान हैं—

### 1. इंटरनेट और तकनीकी संसाधनों की कमी

ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की सीमित उपलब्धता डिजिटल शिक्षा के प्रसार में बाधा उत्पन्न करती है।

### 2. आर्थिक समस्याएँ

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए स्मार्टफोन, लैपटॉप और इंटरनेट की व्यवस्था करना कठिन होता है।

### 3. डिजिटल साक्षरता का अभाव

अनेक बालिकाएँ तथा उनके अभिभावक डिजिटल तकनीकों के उपयोग से परिचित नहीं होते।

### 4. साइबर सुरक्षा संबंधी जोखिम

ऑनलाइन शिक्षा के साथ साइबर अपराध, डेटा चोरी और ऑनलाइन उत्पीड़न जैसी समस्याएँ भी जुड़ी हुई हैं।

### 5. लैंगिक डिजिटल विभाजन

कई क्षेत्रों में लड़कों की तुलना में लड़कियों को डिजिटल उपकरणों तक कम पहुँच प्राप्त होती है।

**तालिका-4 : डिजिटल शिक्षा से संबंधित प्रमुख चुनौतियाँ**

| चुनौती                    | प्रभाव                                    |
|---------------------------|-------------------------------------------|
| इंटरनेट की सीमित उपलब्धता | ग्रामीण बेटियों की ऑनलाइन शिक्षा प्रभावित |
| डिजिटल उपकरणों की कमी     | सीखने के अवसरों में अंतर                  |
| डिजिटल साक्षरता की कमी    | तकनीक के उपयोग में कठिनाई                 |
| साइबर सुरक्षा जोखिम       | ऑनलाइन भागीदारी में बाधा                  |
| सामाजिक एवं आर्थिक बाधाएँ | उच्च शिक्षा तक पहुँच में कमी              |

### सुझाव

- ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार किया जाए।
- बालिकाओं को निःशुल्क या रियायती डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जाएँ।
- डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए।
- साइबर सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाए।
- अभिभावकों में बालिका शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए।

### निष्कर्ष

डिजिटल युग ने बालिकाओं की शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, डिजिटल पुस्तकालय और तकनीकी संसाधनों ने शिक्षा को अधिक सुलभ, लचीला और प्रभावी बनाया है। इससे बालिकाओं को ज्ञान अर्जित करने, कौशल विकसित करने, रोजगार प्राप्त करने और आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर प्राप्त हुए हैं।

यद्यपि कुछ चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं, फिर भी सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के संयुक्त प्रयासों से इन बाधाओं को दूर किया जा सकता है। डिजिटल शिक्षा के माध्यम से शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बेटियों का निर्माण संभव है, जो भविष्य के भारत की मजबूत आधारशिला सिद्ध होंगी।

"यदि एक बेटा शिक्षित होती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरा परिवार, समाज और राष्ट्र शिक्षित एवं सशक्त बनता है।"

### संदर्भ सूची

1. अग्रवाल, जे. सी. (2021) शिक्षा का दर्शन एवं समाजशास्त्र, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. शर्मा, आर. ए. (2020) शैक्षिक प्रौद्योगिकी, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ
3. पांडेय, के. पी. (2019) भारत में महिला शिक्षा और सशक्तिकरण, रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली
4. भारत सरकार, (2020) राष्ट्रीय शिक्षा निति-2020, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली
5. भारत सरकार, (2015) डिजिटल इंडिया कार्यक्रम, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली
6. भारत सरकार, (2023) बेटा बचाओ, बेटा पढ़ाओ योजना प्रतिवेदन, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
7. यूनेस्को, (2023) वैश्विक शिक्षा निगरानी प्रतिवेदन.
8. यूनिसेफ, (2022) विश्व के बच्चों की स्थिति प्रतिवेदन.